out the Committee as early as possible. As I said, the matter is under consideration. It is under discussion with the different departments and the necessary steps are being taken.

श्री सीताराम केसरी : मैंने पूछा था कब तक होगा।

DR. K. L. RAO : That I will not be able to say. It has to go through the Cabinet and so on. It may be one month or it may be three months.

SHRI SITARAM KESRI : It may even take two years.

SHRI VEERENDRA PATIL : May I know when this Committee submitted its report to the Government of India and whether this Committee, before submitting its report to the Government of India, ascertained the views of all the Electricity Boards in the States and, if so, what was the attitude of the State Boards towards this proposal *1*

DR. K. L. RAO : We have discussed it with the State Governments concerned through their Ministers for Irrigation and Power and there was unanimous opinion that these private companies should be taken over.

SHRI VEERENDRA PATIL : I want to know when this Committee submitted its report, the date, because I want to see whether there has been any undue delay in taking a decision on the report.

DR. K. L. RAO : This report was given about one month and half back.

श्री नागेश्वर प्रशाद शाही : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जब सरकार इस बात को मानती है कि विदेशी बिजली कम्पनियां इस देश का बुरी तरह से शोषण कर रही हैं और वे मुनाफे के धन को बड़ी तेजी से अपने देश को भेज रही हैं, इतना ही नहीं बल्कि वे अपनी पावर हाउसेज को भी ठीक ढंग से मेन्टेन नहीं कर रही है और उनमें बिल्कुल धन नहीं लगा रही है।

श्री सभापति : आप प्रश्न किजिये।

श्री नागेश्वर प्रशाद शाही : प्रश्न ही कर रहा हूं। तो इसको देखते हुए क्या सरकार यह सोचेगी कि रिपोर्ट आने के पहले ही आर्डिनेंस के द्वारा धन इन कम्पनियों का इन्तजाम टेक ओवर कर लिया जाए।

कुछ माननीय सदस्य : रिपोर्ट तो आ गई।

श्री नागेश्वर प्रशाद शाही : लेकिन यह विचाराधीन है।

DR. K. L. RAO : I am glad that honourable Members are very anxious to take action in the matter of these licensees. We are also very anxious about this. And necessary steps are being taken including the suggestion that the honourable Member has made.

तृतीय श्रेणी में आरक्षण प्राप्त करने में कठिनाइयां

* 300 श्री ओइम प्रकाश त्यागी :‡
श्री ना० कृ० शेजवलकर :
डा० भाई महावीर :
श्री पीताम्बर दास :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
सरदार कुमार सं० चं० आंग्रे :

क्या रेल मंत्री बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान जनता द्वारा तृतीय श्रेणी में यात्रा हेतु आरक्षण प्राप्त करने में होने वाली कठिनाइयों की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का विचार है।

fDiFFicuLTiES IN GETTING RESERVATION IN THIRD CLASS

*300. SHRI O. P. TYAGI :\
SHRI N. K. SHEJWALKAR : DR. BHAI MAHAVIR : SHRI PITAMBER DAS : SHRI PREM MANOHAR : SHRI J. P. YADAV : SHRI S. C. ANGRE : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

. t[J English translation JThe Question was actually asked on the floor of the House by Shri O. P. Tyagi.

(a) whether the attention of Government has been drawn to the difficulties experienced by the public in getting reservations for travelling by Third Class; and

(b) if so, what steps have been taken or are proposed to be taken by Government to remove these difficulties ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :

(क) जी हां।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

तीसरे दर्जे में आरक्षण प्राप्त करने में कठिनाइयां

(ख) आरक्षण प्राप्त करने में कठिनाइयों को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय किये गये हैं/किये जा रहे हैं।

(i) डीजलीकरण/विद्युतीकरण द्वारा लम्बी दूरी की कुछ महत्वपूर्ण मेल और एक्सप्रैस गाड़ियों की वहन-क्षमता बढ़ा दी गयी है ;

(ii) गाड़ियों में तीसरे दर्जे के शयन कक्ष अधिकाधिक बढ़ाये जा रहे हैं;

(iii) भीड़ भाड़ के समय विशेष गाड़ियां चलाई जाती हैं, वर्तमान गाड़ियों में डिब्बों की संख्या, अधिकतम अनुमेय संख्या तक बढ़ा दी जाती है, अतिरिक्त टिकट खिड़कियां और आरक्षण पटल खोल दिए जाते हैं और आरक्षण कार्यालयों में पर्यवेक्षण का काम तेज कर दिया जाता है ;

(iv) यदि औचित्य समझा जाता है तो उपलब्ध साधनों के भीतर अतिरिक्त गाड़ियां चलायी जाती हैं;

(v) समाज विरोधी तत्वों के कदाचारों के विरुद्ध छापे मारे जाते हैं ;

(vi) हाल ही में संसद सदस्यों की एक समिति नियुक्त की गयी है जो बुकिंग और आरक्षण के वर्तमान नियमों और कार्यविधियों का अध्ययन करेगी, ताकि यात्रियों द्वारा महसूस की जाने वाली कठिनाइयां कम की जा सकें।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS SHRI (MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Yes Sir.

(b) A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

Difficulties in getting reservation in Third Class

(b) The following steps have been/ are being taken to remove the difficulties in getting reservations :—

(i) The carrying capacity of some important long distance mail and express trains has been augmented by dieselisation/ electrification;

(ii) More and more Third class sleeper coaches are being put into service;

(iii) During periods of rush, special trains are run, existing train services are augmented upto the maximum permissible load, additional booking windows and reservation counters are opened and supervision is intensified in the reservation offices ;

(iv) Within the available resources, additional trains, if justified, are introduced;

(v) Raids are organised against malpractices of anti-social elements;

(iv) A Committee of Members of Parliament has been recently appointed to study the existing booking and reservation rules and procedures with a view to reducing the difficulties experienced by passengers.]

श्री ओमप्रकाश त्यागी : सभापति महोदय, मैं धन्यवाद देता हूं मंत्री महोदय को उस उत्तर के लिए जो

t[JEnglish translation

उन्होंने लिखित दिया है, अर्थात् वह कुछ पग उठाने जा रहे हैं। परन्तु एक सबसे बड़ी कठिनाई जो रेल में है उसकी दिशा में सरकार ने कोई संकेत नहीं किया। दिल्ली जैसे बड़े नगरों में आपने एक-दो आरक्षण आफिस बनाए हैं। जो आदमी अलीगढ़ या कानपुर जाना चाहता है और यदि वह महरौली से टिकट लेने आता है तो उतना रुपया तो उसका आने-जाने में टैक्सी में खर्च हो जाता है जितना आरक्षण पर। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार जो बड़े नगर हैं उनकी जनता के हित को सामने रखते हुए कम से कम एक लाख की जनता पर एक आरक्षण आफिस बनाएगी जिससे जनता को आरक्षण कराने में सुविधा हो और सरलता हो और उनके लिए टिकट प्राप्त करना सस्ता पड़े ?

شری محمد شفیع قریشی : سرکار کو یاتریوں کی جو دقتیں ھیں ان کا پورا پورا احساس ھے اور ان دقتوں کو دور کرنے کے لئے ایک کمیٹی بنائی گئی ھے پارلیمنٹ کے ممبرس کی جو دلی۔ مدراس ۔ کلکتہ ۔ بمبئی جیسے شہروں میں جا کر دیکھے گی کہ کس قسم کی سویدھائیں ریزرویشن کو بڑھانے کے لئے لوگوں کو دی جا سکتی ھیں ۔

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सरकार को यात्रियों की जो दिक्कतें है उनका पूरा-पूरा एहसास है और उन दिक्कतों को दूर करने के लिए एक कमेटी बनाई गई है पालियामेंट के मेम्बर्स की जो दिल्ली, मद्रास, कलकत्ता, बम्बई जैसे शहरों में जा कर देखेगी कि किस किस्म की सुविधायें रिजर्वेशन को बढ़ाने के लिए लोगों को दी जा सकती हैं।]

श्री ओमप्रकाश त्यागी : सभापति महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि इन्होंने मध्य रेलवे के स्टेशन्स के लिए कुछ कोटा निश्चित किया था, यह बहुत पहले निश्चित किया गया था, आज हर स्टेशन पर यात्री पहले से बहुत ज्यादा हो गए हैं, तो क्या सरकार उन स्टेशन्स पर उन कोटों में वृद्धि करने का विचार रखती है ? साथ ही जो शयनयान है उनकी संख्या में भी वृद्धि करने का सरकार का कोई विचार है।

شری محمد شفیع قریشی : جہاں تک سلیپنگ کوچیز کا تعلق ھے گورنمنٹ ان کی تعداد کو ھر سال بڑھاتی رھی ھے ۔ 1966 میں سلیپنگ کوچیز کی قعداد 982 تھی اور آج 2 ھزار 64 کے قریب ھے ۔ اگلی پانچ ورشیہ یوجنا میں اس کو اور بڑھاوا دیا جائے گا ۔ جہاں تک وے سائڈ اسٹیشنس میں رزرویشن کا کوٹا بڑھانے کا تعلق ھے یہ جو کمیٹی بنائی گئی ھے وہ اس معاملہ پر بھی غور کرے گی۔

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जहां तक स्लीपिंग कोचिज का ताल्लुक है गवर्नमेंट इसकी तादाद को हर साल बढ़ाती रही है। 1966 में स्लीपिंग कोचिज की तादाद 982 थी और आज 2 हजार 64 के करीब है। अगली पांच वर्षीय योजना में उसको और बढ़ावा दिया जायेगा। जहां तक वह साइड स्टेशन्स में रिजर्वेशन का कोटा बढ़ाने का ताल्लुक है, यह जो कमेटी बनाई गई है वह इस मामले पर भी गौर करेगी।]

श्री ना० कृ० शेजवलकर : सभापति महोदय, अभी मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है कि विस्तार किया जायेगा और उसके कारण यह समस्या कम हो जायेगी परन्तु मैं विशेष ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं जो आपके रिजर्वेशन आफिसेज हैं उनके गठन के बारे में। अभी स्थिति यह है कि वे बहुत ही इनएफीशिएन्ट हैं। आज अभी मैं ग्वालियर से आया हूं, तीन दिन से वहां आपकी इन्क्वायरी पर टेलीफोन प्रोपर्ली काम नहीं कर रहा है। यह स्थिति है। कभी तो उत्तर ही नहीं देते। और रिजर्वेशन की क्या स्थिति है। दिल्ली से टेलीग्राम होता है आगरा फोर्ट स्टेशन पर, टेलीग्राम के लिए कहा गया 22 तारीख को यात्रा की तारीख थी 29 को टेलीग्राम पहुंचता है 31 को।

श्री सभापति : आप थर्ड क्लास में जा सकते हैं ? यह थर्ड क्लास का सवाल है।

†[ ] Hindi translation

श्री ना० कृ० शेजवलकर: थर्ड क्लास में भी जाता हूं।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : टेलीग्राम तो दोनों के लिए बराबर है चाहे फर्स्ट क्लास हो या थर्ड क्लास।

श्री ना० कृ० शेजवलकर : तो मैं जानना चाहता हूं कि यह जो अव्यवस्था है उसको सुधारने के लिए आप क्या करने वाले हैं विशेषत: ?

شری محمد شفیع قریشی : جیسا میں نے ابھی جواب میں کہا ایک کمیٹی بنائی گئی ہے وہ ان تمام سوالوں پر وچار کرے گی - ہمیں ان دقتوں کا احساس ہے جہاں تک ریزرویشن پر ٹیلیفون پر کرٹسی سے بات کرنے کا تعلق ہے میں مانیہ سدسیہ کو یقین دلاتا ہوں کہ ہم نے اس پر کافی سختی کی ہے اور آپ دیکھیں گے کہ اب وہ اچھا اتر دینگے آپ کو -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : जैसा मैंने अभी जवाब में कहा एक कमेटी बनाई गई है वह इन तमाम सवालों पर विचार करेगी। हमें इन दिक्कतों का एहसास है, जहां तक रिजर्वेशन पर टेलीफोन पर कर्टसी स बात करने का ताल्लुक है मैं माननीय सदस्य को यकीन दिलाता हूं कि हमने इस पर काफी सख्ती की है और आप देखेंगे कि अब वह अच्छा उत्तर देंगे आप को ।]

डा० भाई महावीर : श्रीमान मंत्री जी ने यह कहा कि यह लम्बी दूरी की महत्वपूर्ण मेल और एक्सप्रेस गाड़ियों की वहन क्षमता बढ़ाई गई है। मैं जानना चाहता हूं कि आप के पास कोई इस तरह के आंकड़े हैं कि पिछले पांच वर्षों में सचमुच में इन गाड़ियों की वहन क्षमता कितनी बढ़ाई गई है और देश की बढ़ती हुई आबादी के कारण कितनी आवश्यकता है उससे यह ज्यादा है तो कितनी ज्यादा है। इसके अतिरिक्त रश के दिनों में जैसा कि आपने स्वयं कहा कि हम स्पेशल गाड़ियां चलाते हैं। लेकिन देहरादून से अगर कोई स्लीपर लेना चाहता है तो उसको वह नहीं मिलता है क्योंकि बीस बीस दिन पहले वहां स्लीपर बुक हो जाते हैं। यह जानकारी मुझे खुद मिली है और वहां के स्टेशन मास्टर का कहना था कि हम कोई बोगी जोड़ने का अधिकार भी नहीं रखते हैं और चीफ कमर्शियल सुप्रिटेंडेंट की लालफीताशाही के कारण कई दिनों की कोशिश के बाद भी सैक्शन नहीं मिलती। यदि ऐसी स्थिति माननीय मंत्री जी के ध्यान में है तो इसको ठीक करने के लिए उन्होंने क्या किया।

شری محمد شفیع قریشی : پچھلے پانچ برسوں کے میرے پاس آنکڑے نہیں ہیں لیکن تین برسوں کے میں دے سکتا ہوں - پچھلے تین برسوں میں جو نئی سروسیز انٹروڈیوس کی گئی ہیں یا بڑھائی گئی ہیں وہ اس طرح ہیں - 1969-70 میں 90 ٹرینیں بڑھائی گئیں - 1970-71 میں 87 ٹرینیں بڑھائی گئیں- 1971-72 میں 64 بڑھائی گئیں - اب 1-5-72 تک 19 ٹرینیں بڑھائی گئی ہیں -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : पिछले पांच बरसों के मेरे पास आंकड़े नहीं है लेकिन तीन बरसों के मैं दे सकता हूं। पिछले तीन बरसों में जो नई सर्विसिज इण्टरड्यूस की गई है या बढ़ाई गई है वे इस तरह हैं: 1969-70 में 90 ट्रेनें बढ़ाई गईं, 1970-71 में 87 ट्रेनें बढ़ाई गईं, 1971-72 में 64 बढ़ाई गईं, अब 1-5-72 तक 19 ट्रेनें बढ़ाई गई हैं।]

डा० भाई महावीर : परसेंटेज बताइए।

شری محمد شفیع قریشی - پرسینٹیج کی فیگرس میرے پاس نہیں ہیں - جہاں تک رش کے دنوں میں اسپیشل گاڑیاں چلانے کا تعلق ہے ممکن ہے کہ اس میں کچھ ڈیفیکلٹی ہوتی ہو- یہ میں نہیں کہہ سکتا کہ اس میں کوئی ڈیفیکلٹی نہیں ہوتی لیکن اس کو دور کرنے کے لئے یہ جو کمیٹی بنی ہے وہ غور کرے گی -

†[ ] Hindi translation.

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : परसेंटेज की फिगर्स मेरे पास नहीं हैं। जहां तक रश के दिनों में स्पेशल गाड़ियां चलाने का ताल्लुक है, मुमकिन है कि उसमें कुछ डिफिकल्टी होती हो। यह मैं नहीं कह सकता कि इसमें कोई डिफिकल्टी नहीं होती, लेकिन उसको दूर करने के लिए यह जो कमेटी बनी है वह गौर करेगी।]

श्री पीताम्बर दास : श्रीमन्, क्या सरकार को इस तरह की भी कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि ये दिक्कतें इसलिए भी ज्यादा हैं कि बुकिंग ग्राफिसेज में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। अगर ऐसी शिकायतें कुछ प्राप्त हुई हैं तो इसको रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है।

شری محمد شفیع قریشی : جی ہاں- ایسی شکایتیں ملی ہیں اور ان کو دور کرنے کے لئے کافی اقدامات کئے گئے ہیں - وجیلینس سیکشن کو زیادہ الرٹ بنا دیا گیا ہے اور کچھ لوگ پکڑے بھی گئے ہیں -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : जी हां, ऐसी शिकायतें मिली हैं और उनको दूर करने के लिये काफी कदमात लिये गये हैं। विजिलेंस सेक्शन को ज्यादा अलर्ट बना दिया गया है और कुछ लोग पकड़े भी गये हैं।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, मंत्री जी कमेटी कमेटी का नाम बहुत ले रहे हैं। तो सदन यह जानना चाहेगा कि उस कमेटी में कौन कौन हैं, विरोधी सदस्य कितने हैं और यह कमेटी कब बनी। श्रीमन्, यहां पर पालियामेंट में रिजर्वेशन ग्रोफिस है। अभी तक उसका डाइरेक्ट टेलीफोन नहीं है बुकिंग ग्राफिस से जिससे यहां कठिनाई होती है। इसके अतिरिक्त श्रीमन्, बड़े स्टेशनों की बात बहुत लोगों ने पूछी, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि छोटे स्टेशन जहां एकाद गाड़ी खड़ी होती हैं वहां आरक्षण और उनके कोटे की क्या व्यवस्था है।

شری محمد شفیع قریشی : کمیٹی میں پارلیمنٹ کے 4 ممبرس ہیں - جس میں شری کرشن کانت اس کے چیرمین ہیں اور شریمتی سمترا گاندھی کلکرنی - شری نرسنگھہ نرائن پانڈے اور شری عبدالقادر اس کے ممبر ہیں -

†[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : कमेटी में पालियामेंट के 4 मेम्बर्स हैं जिसमें श्री कृष्ण कांत उसके चेयरमैन हैं और श्रीमती सुमित्रा गांधी कुलकर्णी, श्री नरसिंह नारायण पांडे और श्री अब्दुल कादर उसके मैम्बर हैं।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : यह पालियामेंट्री कमेटी है या कांग्रेस की कमेटी है ? इस तरह की कमेटी बनाने से क्या फायदा है।

(Interruptions)

SHRI LOKANATH MISRA : I would appeal to Shri Krishan Kant not to accept the Chairmanship of this Ccn'mittce till some Member is taken from the Opposition. It will be a good gesture on the part of Shri Krishan Kant.

MR. CHAIRMAN : Question Hour is Over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

CORRUPT PRACTICES BY COOLIES AT HOWRAH STATION

*301. SHRI SASANKASEKHAR SANYAL : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the fact that the licensed coolies and poi 'ers at Howrah Station of the Eastcin Railway occupy seals in the ordinary third class compartments meant for long distance trains while they arc waiting in the yards before being driven into the platform and when these bogies and compartments are stationed along the platform these coolies vacate occupation of such seats to *bona fide* passengers after receiving unauthorised payments; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken by Government to stop suchcorrupt practices .'

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes, Sir.